प्रश्न बैंक

विषय–लेखाशास्त्र

कक्षा 11 वीं

वर्ष : 2025–2026

त्रैमासिक परीक्षा के लिए

लोक शिक्षण संचालनालय , मध्यप्रदेश

नोट -विषय शिक्षक त्रैमासिक परीक्षा का प्रश्न पत्र निर्माण करते समय दिए गए प्रश्नों में से अपनी स्वेच्छा अनुसार विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों का चयन करें| विषय शिक्षक यह भी आवश्यक रूप से ध्यान रखें कि एक ही अध्याय के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का चयन करते समय दो प्रश्न समान लर्निंग आउटकम वाले ना हो|

त्रैमासिक परीक्षा 2025-26
ब्लू प्रिंट

कक्षा-11
लेखाशास्त्र

समय : 3 घंटे पूर्णांक -80

क्र.	अध्याय	आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न					अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			OT	F	M	T/F	Ow	2 अंक	3 अंक	4 अंक	
भाग-1											
1	1. लेखांकन –एक परिचय	15	1	1	-	1	1	2	1	1	4
2	2. लेखांकन – सैद्धांतिक आधार	15	1	1	-	1	1	2	1	1	4
3	3. लेनदेनों का अभिलेखन -I	25	2	2	4	2	2	3	1	1	5
4	4. लेनदेनों का अभिलेखन – II	25	2	2	3	2	3	3	1	1	5
	कुल	**80**	**6**	**6**	**7**	**6**	**7**	**10**	**4**	**4**	**18+5**

नोट-

- **40% वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 40% विषयपरक प्रश्न, 20% विश्लेषणात्मक प्रश्न होंगे।**
- 40% सरल प्रश्न , 45% सामान्य प्रश्न , 15 % कठिन प्रश्न
- **प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित है।**
  प्रश्न क्रमांक 01 - सही विकल्प 06
  प्रश्न क्रमांक 02 - रिक्त स्थान 06
  प्रश्न क्रमांक 03 - सत्य असत्य 06
  प्रश्न क्रमांक 04 - सही जोड़ी 07
  प्रश्न क्रमांक 05 - एक वाक्य में उत्तर 07
- **प्रश्न क्रमांक 06 से 15 तक कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 02 अंक निर्धारित हैं।**
- **प्रश्न क्रमांक 16 से 19 तक कुल 04 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 03 अंक निर्धारित हैं।**
- **प्रश्न क्रमांक 20 से 23 तक कुल 04 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 04 अंक निर्धारित हैं।**

इकाई-1
लेखांकन-एक परिचय

सही विकल्प चुनिये-

(I) निम्न लेखाकंन सूचना की गुणवत्ता का निर्धारक तत्व नहीं है-
(अ) विश्वसनीयता (ब) सरलता
(स) प्रांसगिकता (द) बोधगम्यता

(II) व्यापारी द्वारा अपने ग्राहक को छूट देना कहलाता है-
(अ) डूबतऋण (ब) कमीशन
(स) बट्टा (द) दलाली

(III) पुस्तपालन की दोहरा लेखा प्रणाली का अविष्कार किसने किया है-
(अ) पिकिल्स (ब) लूकास पेसियोली
(स) बाटलीबाय (द) कार्टर

(IV) निम्नलिखित में से कौन सा लेनदेन वित्तीय प्रकृति का नहीं है-
(अ) उधार सम्पत्ति खरीदना (ब) नगद सम्पत्ति खरीदना
(स) स्वामी द्वारा उधार से नगद निकालना (द) कर्मचारियो के द्वारा हड़ताल कर देना

(V) लेखाकंन में लेखा होता है-
(अ) केवल वित्तीय लेनदेनों का (ब) केवल गैर वित्तीय लेनदेनों का
(स) वित्तीय एवं गैर वित्तीय लेनदेनों का द) स्वामी के निजी लेनदेनों का

(VI) नगद बट्टा देय होता है-
(अ) उधार क्रय के समय (ब) उधार विक्रय के समय
(स) नगद भुगतान के समय (द) किसी भी समय

(VII) ख्याति किस प्रकार की सम्पत्ति है-
(अ) मूर्त्त सम्पत्ति (ब) अमूत्त सम्पत्ति
(स) वास्तविक सम्पत्ति (द) अस्थायी सम्पत्ति

(VIII) वह व्यक्ति जो लाभ कमाने के उद्देश्य से व्यापार मे पूँजी लगाता है,उसे कहते हैं-
(अ) लेनदार (ब) देनदार
(स) विनियोगकर्त्ता (द) स्वामी

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये -

(I) एक व्यक्ति जिसे फर्म को रूपया देना है............... कहलाता है।
(II) लेनदेनों को हिसाब की पुस्तकों में दर्ज करना ....कहलाता है।
(III) व्यापार में माल, मुद्रा या सेवा के पारिस्परिक आदान-प्रदान को .... की संज्ञा दी जाती है।
(IV) भवन एक .... सम्पत्ति है।
(V) सम्पत्ति का दायित्व पर आधिक्य .... कहलाता है।
(VI) पुस्तपालन व्यावसायिक .... को लिखने की कला है।
(VII) लेखाकंन अवधि .... महीनों की होती है।

सत्य / असत्य में उत्तर लिखिए -

(I) नगद बट्टा शीघ्र भुगतान पाने के उद्देश्य से दिया जाता है।
(II) नगद बट्टा बीजक में नहीं दर्शाया जाता है।
(III) निवेशक लेखाकंन सूचना के बाह्य उपयोगकर्त्ता होते हैं।
(IV) लेनदार लेखाकंन सूचना के आंतरिक उपयोगकर्त्ता होते हैं।
(V) वित्तीय विवरणों में दी गई सूचना आर्थिक लेनदेनों पर आधारित होती है।
(VI) फर्नीचर एक चल सम्पत्ति है।
(VII) प्राप्य विपत्र एक अचल सम्पत्ति है।

एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) लेखाकंन की कितनी शाखाएं होती है?
(II) बट्टा कितने प्रकार का होता है?
(III) किस बट्टे का लेखा पुस्तकों में नही किया जाता है?
(IV) व्यवसाय की वित्तीय स्थिति ज्ञात करने के लिए क्या बनाया जाता है?
(V) वह व्यक्ति जिससे उधार माल खरीदा जाता है, उसे कहते हैं।
(VI) वह व्यक्ति जिसे उधार माल बेचा जाता है, कहलाता है।
(VII) स्वामी जब निजी प्रयोग हेतु वस्तु या नगद निकालता है, जो उसे कहते हैं।
(VIII) वित्तीय सूचना के उपयोगकर्त्ता को कितने वर्गो मे बांटा गया है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

1. लेखाकंन से क्या आशय है?
2. लेखाकंन की परिभाषा दीजिए।
3. आर्थिक घटना से क्या अभिप्राय है?
4. लेखाकंन की कोई दो शाखाए समझाइए।
5. ''पूँजी'' से क्या आशय है?
6. आहरण से क्या आशय है?
7. किन्ही दो बाहरी उपयोगकर्त्ता के नाम बताइए।
8. स्थायी सम्पत्तियों के चार उदाहरण दीजिए।
9. चल सम्पत्ति किसे कहते है?
10. व्यापारिक बट्टा क्या है?
11. अंतिम स्कंध किसे कहते हैं?
12. व्यवसाय किसे कहते हैं?
13. लेखांकन सूचना तुलनीय क्यों होना चाहिए?
14. संपत्ति से क्या आशय है?
15. दायित्व से क्या आशय है?

लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक)

1. व्यापारिक बट्टा तथा नगद बट्टा में कोई 3 अंतर लिखिए।
2. लेखाकंन के कोई 3 उद्देश्य लिखिए ।
3. लेखाकंन की कोई 3 गुणात्मक विशेषताएं लिखिए ।
4. व्यवस्थित लेखांकन की आवश्यकता के निर्धारक तत्वों को समझाइए।
5. लेखाकंन सूचना के किन्ही 4 आन्तरिक उपयोगकर्ताओं का वर्णन कीजिए ।
6. लेखाकंन सूचना के किन्ही 4 बाह्य उपयोगकर्ताओं का वर्णन कीजिए ।
7. लेखांकन सूचना की गुणवत्ता के निर्धारक कोई 4 तत्व लिखिए।
8. लेखांकन की कोई तीन सीमाएं लिखिए ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)

1. संपत्तियों के विभिन्न प्रकार समझाइए।
2. दायित्वों के विभिन्न प्रकार समझाइए।
3. लेखांकन की विभिन्न शाखाएँ समझाइए।
4. लेखाकंन सूचना को उपयोगी बनाने वाले कोई 4 तत्वों का वर्णन कीजिए ।
5. लेखांकन की चार विशेषताएं लिखिए।
6. बहीखाता लेखाकर्म में कोई 4 अंतर लिखिए।
7. लेखाकर्म का व्यवसाय में क्या महत्व है? कोई 4 बिंदु लिखिए ।
8. लेखाकर्म की सरकार के लिए क्यों उपयोगी है?
9. लेखांकन के चरणों की व्याख्या कीजिए ।

---***---

इकाई-2
लेखांकन के सैद्धांतिक आधार

सही विकल्प चुनिये-

(I) दोहरा लेखा प्रणाली का सिद्धांत है -
(अ) खातों के दो पक्ष (ब) दो खातों पर प्रभाव
(स) दोनों खातों में लेखा (द) उपर्युक्त सभी

(II) लेखांकन सिद्धांत है -
(अ) लिखित (ब) अलिखित
(स) सर्वमान्य (द) इच्छानुसार

(III) किस सिद्धांत के अनुसार प्रतिवर्ष एक जैसी लेखांकन पद्धतियों का पालन किया जाना चाहिए-
(अ) एकरूपता (ब) सारता
(स) सतर्कता (द) पूर्ण प्रकटीकरण

(IV) दोहरा लेखा प्रणाली के जनक लुकास पैसियोली निवासी थे -
(अ) अमेरिका के (ब) फ्रांस के
(स) इटली के (द) ब्रिटेन के

(V) आगम की पहचान के आधार है -
(अ) रोकड़ का आधार (ब) विक्रय का आधार
(स) उत्पादन का आधार (द) उपर्युक्त सभी

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये -

(I) चालू व्यापार की अवधारणा के अनुसार व्यापार .... तक चलेगा।
(II) प्रत्येक नाम के लिए .... होना आवश्यक है।
(III) लेखांकन समीकरण .... अवधारणा पर आधारित है।
(IV) संपत्तियों का योग हमेशा पूँजी व दायित्व के .... है।
(V) लेखांकन के .... वित्तिय व्यवहारों को सही दिशा-निर्देश देते है।
(VI) दोहरा लेखा प्रणाली का प्रयोग सर्वप्रथम .... वर्ष में किया गया।
(VII) लेखांकन अस्तित्व की मान्यता व्यवसाय में पूँजी को .... मानती है।
(VIII) सम्पपत्ति - पूँजी + ...
(IX) सम्पपत्ति - दायित्व + ...

सत्य / असत्य में उत्तर लिखिए -

(I) लेखांकन सिद्धांत मानव निर्मित है।
(II) लेखांकन प्रमाप लेखांकन नीतियों में असमानता लाता है।
(III) लेखांकन प्रमाप मौलिक विवरण होते हैं।
(IV) दोहरा लेखा प्रणाली बहुत खर्चीली है।
(V) दोहरा लेखा प्रणाली वैज्ञानिक प्रणाली है।

एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए -

(I) ''व्यापार के स्वामी को व्यापार से प्रथक माना जाता है।'' यह लेखांकन की किस मान्यता के अंतर्गत आता है?
(II) सतत् व्यवसाय की अवधारणा में व्यवसाय की अवधि कितनी होती है?
(III) आयकर की दृष्टि से लेखा वर्ष की अवधि कितनी होती है?
(IV) लेखांकन के किस आधार में रोकड़ व उधार लेन-देनों में भेद नहीं किया जाता है?

(V) किस सिद्धांत के अनुसार लेखांकन में गुणात्मक व्यवहारों का लेखा नहीं किया जाता है?

(VI) 'लेखांकन मानक बोर्ड' की स्थापना कब हुई?

(VII) दोहरा लेखा प्रणाली के जनक कौन है?

(VIII) लेखांकन में किस प्रकार की लेन-देनों को लिखा जाता है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

1. दोहरा लेखा प्रणाली को परिभाषित कीजिये।
2. लेखांकन सिद्धांतों की विशेषतायें लिखिये।
3. लेखांकन अवधि की मान्यता क्या है?
4. लेखांकन के परिवर्तनीय सिद्धांत को संक्षेप में समझाइये।
5. लेखांकन सिद्धांत से क्या आशय है**?**
6. जीएसटी की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
7. आमद को मान्य कब माना जाता है?
8. लेखांकन मानक क्या है**?**
9. एकरुपता की परंपरा से क्या आशय है**?**
10. GAAP क्या है**?**
11. CGST क्या है?
12. SGST क्या है?
13. IGST क्या है?
14. इनपुट GST क्या है?
15. आउटपुट GST क्या है?

लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक)

1. दोहरा लेखा प्रणाली की विशेषताओं को समझाइये।
2. दोहरा लेखा प्रणाली (द्वि प्रविष्ट प्रणाली) के गुणों को स्पष्ट कीजिये।
3. दोहरा लेखा प्रणाली के मूलभूत सिद्धांतो का वर्णन कीजिये।
4. लेखांकन मानक की कोई 3 सीमाएं लिखिए।
5. लेखांकन के नकद आधार के कोई 3 लाभ लिखिए।
6. लेखांकन के उपार्जन आधार के कोई 3 लाभ लिखिए।
7. लेखांकन के नकद आधार की कोई 3 हानियाँ लिखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)

1. आधारभूत लेखांकन संकल्पनाओं को समझाइए।
2. लेखांकन के विभिन्न आधारों का वर्णन कीजिए।
3. लेखांकन प्रमाप की कोई 4 विशेषतायें लिखिए ।
4. लेखांकन मानक के किन्हीं 4 लाभों का वर्णन करो।
5. वस्तु एवं सेवा कर की कोई 4 विशेषताएं लिखिए।
6. लेखांकन के रोकड़ आधार एवं उपार्जन आधार में कोई 4 अंतर लिखिए।
7. "साधारणतः लेखांकन संकल्पनाओं व लेखांकन मानकों को वित्तीय लेखांकन का सार कहा जाता है।" समझाए।

--*--**

इकाई– 3
लेन-देनों का अभिलेखन–1

सही विकल्प चुनिये–

(I) प्रलेख जिसके आधार पर पुस्तकों में लेखा किया जाता है–
(अ) सूची (ब) व्यापारिक पत्र
(स) विवरण (द) प्रमाणक

(II) वित्तीय लेनदेन के लिखित साक्ष्य को कहते हैं–
(अ) विवरण (ब) सूची
(स) मूल प्रलेख (द) बीजक

(III) जमा पत्रक (क्रेडिट नोट) बनाया जाता है–
(अ) क्रेता द्वारा (ब) विक्रेता द्वारा
(स) रोकड़िया द्वारा (द) बैंक द्वारा

(IV) निम्न में से कौन सा समीकरण सही नहीं है–
(अ) पूंजी = सम्पत्तियां - दायित्व (ब) पूंजी + दायित्व = सम्पत्तियां
(स) सम्पत्तियां = दायित्व - पूंजी (द) सम्पत्तियां - पूंजी = दायित्व

(V) नाममात्र के खाते का संबंध होता है–
(अ) देनदार एवं लेनदार से (ब) सम्पत्ति एवं दायित्व से
(स) आय एवं व्यय से (द) पूंजी एवं आहरण से

(VI) नकलबही में लेखा किस पुस्तक से किया जाता है–
(अ) क्रय पुस्तक से (ब) विक्रय पुस्तक से
(स) स्मारक पुस्तक से (द) रोकड़ पुस्तक से

(VII) 'माल' दान में देने पर क्रेडिट किया जाता है–
(अ) पूंजी खाता (ब) आहरण खाता
(स) क्रय खाता (द) विक्रय खाता

(VIII) व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए उधार ली गई रकम से क्रेडिट किया जाएगा–
(अ) पूंजी खाता (ब) ऋण खाता
(स) बैंक खाता (द) अहरण खाता

(IX) खाता जो व्यापार के स्वामी का प्रतिनिधित्व करता है–
(अ) पूंजी खाता (ब) सम्पत्ति खाता
(स) क्रय खाता (द) विक्रय खाता

(X) माल खाते का शेष अंतरित किया जाता है–
(अ) व्यापार खाते में (ब) लाभ हानि खाते में
(स) देनदार खाते में (द) लेनदार खाते में

(XI) खातों का शेष निकाला जाता है–
(अ) व्यापारिक वर्ष के प्रारंभ में (ब) व्यापारिक वर्ष के मध्य में
(स) व्यापारिक वर्ष के अंत में (द) व्यापारिक वर्ष में कभी भी

(XII) सभी नाममात्र के खाते बंद किए जाते हैं–
(अ) देनदार एवं लेनदार खाते में हस्तांतरण करके
(ब) पूंजी एवं आहरण खाते में हस्तांतरण करके
(स) व्यापार एवं लाभ हानि खाते में हस्तांतरण करके
(द) तलपट एवं आर्थिक चिट्ठे में हस्तांतरण करके

(XIII) निम्न में से कौन से खाते का क्रेडिट शेष होता है–
(अ) भूमि खाते का (ब) पूंजी खाते का
(स) भवन खाते का (द) रोकड़ खाते का

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

(I) डेबिट प्रमाणक व्यवसाय द्वारा किए गये ______के लिए बनाए जाते हैं।
(II) आधुनिक पद्धति के अनुसार खातों को_____वर्गों में बांटा गया है।
(III) व्यापार में लाभ होने पर पूंजी में______होती है।
(IV) व्यापारी द्वारा आहरण करने पर पूंजी में____होती है।
(V) व्ययों के भुगतान से पूंजी में______होती है।
(VI) दायित्व खातों का शेष__________ होता है।
(VII) सम्पत्ति खातों का शेष__________ होता है।
(VIII) नकलबही के आधार पर_____में लेखा किया जाता है।
(IX) बही जिसमें समस्त खाते रखे जाते हैं______ कहलाती है।

सही जोड़ियाँ बनाइये –

A

	'अ'	'ब'
(I)	प्रमाणक	(अ) नकलबही
(II)	गैर रोकड़ सौदे	(ब) क्रेडिट प्रमाणक
(III)	नगद भुगतान हेतु	(स) खाताबही
(IV)	नगद प्राप्ति हेतु	(द) हस्तांतरण प्रमाणक
(V)	प्रारंभिक लेखे की पुस्तक	(ई) लिखित प्रलेख
(VI)	वर्गीकरण की पुस्तक	(फ) डेबिट प्रमाणक

B

	'अ'	'ब'
(I)	सौदों का संक्षिप्त विवरण	(अ) वेतन खाता
(II)	व्यक्तिगत खाता	(ब) कच्ची बही
(III)	वास्तविक खाता	(स) व्याख्या
(IV)	नाममात्र का खाता	(द) बीजक एवं बिल
(V)	स्मरण पुस्तिका	(ई) आहरण खाता
(VI)	मूल प्रलेख	(फ) रोकड़ खाता

C

	'अ'	'ब'
(I)	अमूर्त वास्तविक खाता	(अ) अदत्त वेतन खाता
(II)	मूर्त वास्तविक खाता	(ब) बैंक का खाता
(III)	कृत्रिम व्यक्तिगत खाता	(स) भवन खाता
(IV)	प्रतिनिधित्व व्यक्तिगत खाता	(द) ख्याति खाता

सत्य / असत्य में उत्तर लिखिए –

(I) मूल प्रलेख के आधार पर प्रमाणक तैयार किए जाते हैं।
(II) क्रय वापसी पर जमा पत्र (क्रेडिट नोट) बनाया जाता है।
(III) नकद क्रय के लिए बीजक बनाया जाता है।
(IV) जमा की पर्ची मूल प्रलेख है।
(V) प्रमाणकों का लिखित होना आवश्यक नहीं है।
(VI) प्रत्येक लेनदेन का लिखित प्रमाण होना चाहिए।
(VII) प्रत्येक नकल प्रविष्टि के लिए व्याख्या जरूरी है।
(VIII) नकलबही का पृष्ठांकन स्तम्भ खतौनी के समय भरा जाता है।
(IX) विक्रय वापसी पर लेनदार खाता क्रेडिट किया जाता है।
(X) व्यक्तिगत खाते का डेबिट शेष देनदार कहलाते हैं।
(XI) खाताबही को वैधानिक मान्यता प्राप्त नहीं है।
(XII) नाममात्र के खातों का शेष अगले वर्ष आगे लाया जाता है।
(XIII) बैंक खाता एक वास्तविक खाता है।
(XIV) खाताबही में 'व्याख्या' की आवश्यकता नहीं होती है।

एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) नाम पत्रक (डेबिट नोट) कौन बनाता है?
(II) लेखांकन समीकरण किस अवधारणा पर आधारित है?
(III) कौन सी पद्धति में खातों को पांच भागों में बांटा जाता है?
(IV) सम्पत्ति में वृद्धि का लेखा खाते के किस पक्ष में किया जाएगा?
(V) दायित्व में कमी का लेखा खाते के किस पक्ष में किया जाएगा?
(VI) नकद बट्टा कब दिया जाता है?
(VII) माल दान में देने पर कौन सा खाता डेबिट किया जाएगा?
(VIII) नकलबही के प्रारूप में कितने खाने होते हैं?
(IX) रोकड़ बैंक में जमा करने पर कौन सा खाता डेबिट किया जाएगा?
(X) माल उधार क्रय करने पर कौन सा खाता क्रेडिट किया जाएगा?
(XI) सम्पत्ति बेचने पर कौन सा खाता क्रेडिट किया जाएगा?
(XII) खाते के कितने पक्ष होते हैं?
(XIII) खाताबही में लेनदेनों को लिखना क्या कहलाता है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

1. मूल प्रलेख से क्या आशय है?
2. प्रमाणक किसे कहते हैं?
3. नाम पत्रक (डेबिट नोट) किसे कहते हैं?
4. जमा पत्रक (क्रेडिट नोट) किसे कहते हैं?
5. प्रमुख मूल प्रलेखों के नाम लिखिए।
6. रोकड़ प्रमाणक का क्या अर्थ है?
7. लेखांकन समीकरण से क्या आशय है?
8. स्मरण पुस्तक से क्या आशय है?
9. नकल बही से क्या आशय है?
10. मिश्रित प्रविष्टि किन्हे कहते है?
11. व्याख्या (नरेशन) किसे कहते हैं?
12. खाता किसे कहते हैं?
13. खाताबही से क्या आशय है?
14. पृष्ठांकन किसे कहते हैं?
15. खतौनी का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक)

1. मूल प्रलेख एवं प्रमाणक में कोई 3 अंतर लिखिए।
2. लेखांकन प्रमाणक के प्रमुख प्रकारों को समझाइए।
3. लेखांकन समीकरण के आवश्यक तत्व लिखिए।
4. क्रय खाता किन दशाओं में क्रेडिट होता है ? समझाइए।
5. नकलबही रखने की आवश्यकता लिखिए।
6. पृष्ठांकन के 3 लाभ लिखिए।
7. लेखांकन समीकरण के कोई 3 लाभ लिखिए।
8. डेबिट वाउचर किन व्यवहारों के लिए बनाया जाता है?
9. स्रोत प्रपत्र की 3 विशेषताएं लिखिए।
10. निम्न दशा में की जाने वाली जर्नल प्रविष्टियां लिखिए–
    i) माल दान में देने पर।
    ii) अग्नि से माल नष्ट होने पर।
    iii) स्वामी द्वारा माल का आहरण करने पर।

11. निम्नलिखित व्यवहारों से लेखांकन समीकरण तैयार कीजिए-
1) कुणाल ने ₹150000 से व्यापार आरंभ किया।
2) मोहित से ₹45000 उधार माल खरीदा।
3) मोहित को पूर्ण भुगतान में ₹44700 चुकाए।

12. निम्न व्यवहारों के आधार पर लेखांकन समीकरण बनाइए-
1) सुशांत ने ₹80000 नगद व ₹70000 के माल से व्यापार प्रारंभ किया।
2) बैंक में ₹50000 जमा किए।
3) उदित से ₹10000 का उधार माल खरीदा।

13. निम्नलिखित व्यवहारों के लिए नकल प्रविष्टियां कीजिए-
1) आशीष से ₹20000 के पूर्ण भुगतान में ₹19500 का चेक प्राप्त किया।
2) ₹12000 के एक देनदार से रुपए में 75 पैसे ही प्राप्त हुए।
3) ₹200 का माल चोरी हुआ ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)

1. माल खाते के विभाजन को समझाइए।
2. नकलबही और खाताबही में 4 अंतर लिखिए।
3. नकलबही में खातों को डेबिट व क्रेडिट करने के आधुनिक नियमों को समझाइए।
4. खाताबही में खतौनी के नियमों को लिखिए।
5. खाताबही की कोई 4 विशेषताओं को लिखिए।
6. खाताबही के कोई 4 लाभ लिखिए।
7. "लेखांकन समीकरण प्रत्येक दशा में सही होता है।" स्पष्ट कीजिए ।
8. निम्नलिखित व्यवहारों के लिए वर्मा ब्रदर्स की पुस्तकों में नकल प्रविष्टियां कीजिए-
जनवरी 2021
(I) दिनांक 1 ₹20000 नकद वह ₹30000 के माल से व्यापार प्रारंभ किया।
(II) दिनांक 5 हरीश ब्रदर्स से ₹15000 की मशीन खरीदी।
(III) दिनांक 12 संजय को ₹6000 का उधार माल बेचा।
(IV) दिनांक 15 दुकान का किराया चुकाया ₹4000।
9. सिद्धार्थ एक्सपोर्ट लिमिटेड जबलपुर की पुस्तकों में नकल प्रविष्टियां यह मानते हुए कीजिए कि सी. जी. एस. टी. की दर 6% व एस. जी. एस. टी. की दर 6% है-
(I) आगरा से माल खरीदा व चैक दिया-₹2,00,000
(II) रानू ट्रेडर्स लखनऊ को माल बेचा-₹1,20,000
(III) कार्यालय हेतु फर्नीचर खरीदा-₹50,000
(IV) किराया चुकाया- ₹30,000

10. निम्नलिखित व्यवहारों से क्रय खाता बनाइए-
(I) 2021 अप्रैल 1 नगद माल खरीदा-₹60,000
(II) अप्रैल 7 अनमोल से माल खरीदा-₹15,000
(III) अप्रैल 16 माल का आहरण किया-₹5,000
(IV) अप्रैल 22 रमन से माल खरीदा व चैक से भुगतान किया-₹7,000

11. लेखांकन समीकरण तैयार कीजिए –

(I)	रोकड़ से व्यापार प्रारंभ किया	₹90,000
(II)	नकद माल खरीदा	₹30,000
(III)	रमन से माल खरीदा	₹10,000
(IV)	₹10000 की लागत का माल नकद बेचा	₹15,000
(V)	निजी उपयोग हेतु नकद निकाले	₹1,000

12. मोहन का खाता तैयार कीजिए – (प्रारंभिक शेष – ₹6300 जमा शेष)

2024		₹
जनवरी 1	उन्हें भुगतान किया	4300
जनवरी 8	उनसे उधार माल खरीदा	3000
जनवरी 20	उन्हें चेक दिया	2000
जनवरी 22	उन्हें माल वापस किया	100
जनवरी 25	उनकी ओर से सीता को दिए	500

13. लेखांकन समीकरण तैयार कीजिए–

(I) व्यापार प्रारंभ किया रोकड़ ₹80,000 एवं माल ₹15000
(II) माल क्रय किया रोकड़ी ₹30000 एवं उधार ₹20000
(III) ₹50000 की लागत का माल नकद विक्रय किया ₹60000
(IV) निजी उपयोग हेतु नकद निकाले ₹10000
(V) वेतन अदत्त ₹3000
(VI) उपार्जित कमीशन ₹1000

14. रोजनामचा तैयार कीजिए –

		₹
(I)	रोकड़ से व्यापार प्रारंभ क्या	8000
(II)	नकद माल खरीदा	700
(III)	रमेश को माल बेचा	300
(IV)	अमन से माल खरीदा	1000
(V)	नकद माल बेचा	2000
(VI)	दुकान का किराया दिया	100
(VII)	आयकर चुकाया	200

---***---

इकाई-4
लेन-देनों का अभिलेखन–2

सही विकल्प चुनिये-

(I) जब फर्म रोकड़ बही बनाती है तो उसे बनाने की आवश्यकता नहीं है-
(अ) मूल रोजनामचा (ब) खरीद राजनामचा
(स) क्रय रोजनामचा (द) खाता बही में बैंक व रोकड़ खाता

(II) रोकड़ में खरीदे हुए माल को अभिलिखित किया जाएगा -
(अ) क्रय पुस्तक में (ब) विक्रय पुस्तक में
(स) रोकड़ बही में (द) क्रय वापसी पुस्तक में

(III) रोकड़ बही में कौन से लेन-देन नहीं लिखे जाते -
(अ) नकद प्रकृति के (ब) उधार प्रकृति के
(स) नकद व उधार प्रकृति के (द) कोई भी नहीं

(IV) खातों को संतुलित करने का अर्थ है-
(अ) नाम पक्ष का योग (ब) जमा पक्ष का योग
(स) नाम व जमा पक्ष के योग के अंतर की गणना (द) कोई भी नहीं

(V) इसे माल के मूल्य में से घटा दिया जाता है -
(अ) कमीशन (ब) बट्टा
(स) दोंनों (द) दोनो ही नहीं

(VI) खुदरा रोकड़ बही का शेष होता है -
(आ) दायित्व (ब) व्यय
(स) लाभ (द) संपत्ति

(VII) एक ग्राहक का अनादरित चेक वापस आया , लेखा होगा -

(इ) आंतरिक वापसी बही में (ब) बाह्य वापसी बही में

(स) प्राप्य बिल बही में (द) रोकड़ बही में

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

(I) रोकड़ बही एक ....रोजनामचा है।

(II) मूल रोजनामचे में केवल ....छूट ही अभिलिखित की जाती है।

(III) रोकड़ बही में ....संबंधी सौदों का लेखा नहीं किया जाता ।

(IV) रोकड़ बही के बैंक स्तंभ का जमा शेष ....की स्थिति का प्रदर्शन करता है।

(V) ------------- बही में लेखा बीजक के आधार पर होता है ।

(VI) ------------ बही में लेखा डेबिट नोट के आधार पर होता है ।

सही जोड़ियाँ बनाइये –

1.

	'अ'	'ब'
(I)	खुदरा रोकड़ बही का प्राप्ति पक्ष में	(अ) वास्तविक व्यय की प्राप्ति
(II)	खुदरा रोकड़ बही का भुगतान पक्ष में	(ब) चेक अनादरित होना
(III)	अवधि के आरम्भ में	(स) कई स्तम्भ
(IV)	अवधि के अंत में	(द) एक स्तम्भ
(V)	ग्राहक के खाते में पर्याप्त राशि न होना	(इ) पेशगी प्राप्ति
(VI)	रोकड़ स्तम्भ	(फ) केवल नामे शेष
(VII)	बैंक स्तम्भ	(ग) केवल जमा शेष

2.

	'अ'	'ब'
(I)	क्रय बही	(अ) नकद माल क्रय
(II)	विक्रय बही	(ब) उधार ख़रीदा माल वापिस करना
(III)	एक स्ताम्भीय रोकड़ बही	(स) उधार बेचा माल वापिस आना
(IV)	द्वि स्ताम्भीय रोकड़ बही	(द) उधार माल विक्रय
(V)	क्रय वापसी बही	(इ) बैंक सम्बन्धी व्यवहार
(VI)	विक्रय वापसी बही	(फ) उधार माल क्रय

सत्य / असत्य में उत्तर लिखिए –

(I) रोजनामचा गौण प्रविष्टि की पुस्तक है।

(II) यदि किसी प्रविष्टि में एक खाते को नाम व एक से अधिक खातों को जमा पक्ष में अभिलिखित किया जाए तो ऐसी प्रविष्टि को संयुक्त / मिश्रित प्रविष्ट कहते है।

(III) संपत्तियों के उधार विक्रय का अभिलेखन विक्रय बही में किया जाता है।

(IV) क्रय पुस्तक में नकद व उधार माल के क्रय का अभिलेखन किया जाता है।

(V) खाता बही एक सहायक पुस्तक है।

(VI) खुदरा रोकड़ बही में बड़े भुगतानों का अभिलेखन किया जाता है।

(VII) ऐसा लेन–देन जिसका अभिलेखन रोकड़ बही के नाम व जमा दोनों पक्षों में हो विपर्यय लेन–देन कहलाते है।

(VIII) खातों के संतुलन से तात्पर्य हे नाम व जमा पक्ष का योग निकालना ।

(IX) मशीन की उधार खरीद को क्रय रोजनामचे में अभिलिखित किया जाएगा।

एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) रोकड़ बही के क्रेडिट पक्ष में किन खातों को लिखा जाता है?

(II) प्रतिदिन रोकड़ बही लिखने के लिए सर्वप्रथम नाम पक्ष में क्या लिखना चाहिए?

(III) रोकड़ बही के डेबिट पक्ष का योग - क्रेडिट पक्ष का योग =?

(IV) जब व्यापारी खरीदा हुआ माल वापस लौटाता है , तो वह माल के साथ एक नोट विक्रेता को भेजता है । जिसमें माल की मात्रा , कीमत आदि का विवरण होता है । उसे क्या कहते है?

(V) छोटे-छोटे व्ययों का लेखा रखने के लिए किस बही का प्रयोग किया जाता है?
(VI) जर्नल प्रविष्टि का ही एक अंग मानी जाने वाली बहियॉ कौन सी है?
(VII) विक्रय बही में कितने खाने होते है?
(VIII) विक्रय वापसी बही में कितने खाने होते है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

1. विपर्यय प्रविष्टि क्या है?
2. विशिष्ट उददेश्य पुस्तकें क्या हैं ?
3. खुदरा रोकड़ बही क्या है?
4. क्रय रोजनामचा से क्या आशय है?
5. विक्रय रोजनामचा से क्या आशय है?
6. क्रय वापसी रोजनामचा से क्या आशय है?
7. विक्रय वापसी रोजनामचा से क्या आशय है?
8. मुख्य रोजनामचा से क्या आशय है?
9. प्राप्य बिल रोजनामचा से क्या आशय है?
10. देय बिल रोजनामचा से क्या आशय है?
11. रोकड़बही के संतुलन से क्या आशय है ?
12. समायोजन प्रविष्टियों से क्या तात्पर्य है?

लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक)

1. सहायक रोजनामचा बनाने का 3 उददेश्य लिखिए ।
2. आंतरिक वापसी व बाह्य वापसी में 3 अंतर बताइए।
3. रोजनामचे से खाता-बही बनाने की प्रक्रिया लिखिए ।
4. रोकड़बही एक रोजनामचा एवं खाताबही दौनों हैं। समझाईए ।
5. सहायक बहियों के 3 लाभ लिखिए ।
6. मुख्य रोजनामचे में लिखे जाने वाले 3 लेन देनों को लिखिए ।
7. रोकड़बही का संतुलन किस प्रकार किया जाता है?
8. साधारण रोकड़ बही बनाइए -

2024		₹
नवम्बर 01	हस्तस्थ रोकड़	12500
नवम्बर 04	हरि को नकद भुगतान	600
नवम्बर 07	माल खरीदा (नकद)	800
नवम्बर 12	अमित से प्राप्त	1000
नवम्बर 16	माल नकद बेचा	800
नवम्बर 20	मनीष को भुगतान	590

9. खुदरा रोकड़ बही में लेखा कीजिए- अग्रिम राशि ₹5000 है -

जनवरी 2023		₹
24	लेखन सामग्री	1000
25	बस का किराया	120
25	ढुलाई व्यय	400
26	टेक्सी किराया	800
27	आकस्मिक व्यय	900
28	डाक व्यय	800

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)

1. विशिष्ट पुस्तके लिखने की आवश्यकता का वर्णन कीजिए।
2. द्विस्तंभीय रोकड़ बही बनाते समय विर्पयय प्रविष्टि कैसे की जाती हैं? उदाहरण सहित समझाईए।
3. खुदरा रोकड़ बही के 4 लाभ लिखिए।

4. रोजनामचे के विभाजन से होने वाले 4 लाभों का वर्णन कीजिए।
5. खातों कों संतुलित किस प्रकार किया जाता है ?
6. ऐसे 4 व्यवहारों को समझाइए जिनका लेखा क्रय पुस्तक में नहीं किया जाता है?
7. ऐसे 4 व्यवहारों को समझाइए जिनका लेखा विक्रय पुस्तक में नहीं किया जाता है?
8. फुटकर रोकड़ बही एवं मुख्य रोकड़ बही में 4 अंतर लिखिए।
9. क्रय बही एवं क्रय वापसी बही में 4 अंतर लिखिए।
10. मै.अम्बिका ट्रेडर्स के लिए निम्न लेन-देनों को जुलाई 2024 की रोकड़ बही में अभिलिखित कीजिए-

जुलाई 2024	₹
01 रोकड़ से व्यवसाय प्रारंभ किया	50,000
03 आई. सी. आई. सी. आई. बैंक में खाता खोला	30,000
05 नकद माल खरीदा	10,000
10 नकद भुगतान कर कार्यालय के लिए मशीन खरीदी	5,000
15 रोहन को माल का विक्रय कर चेक प्राप्त किया	7,000
18 नकद विक्रय	8,000
20 रोहन का चेक बैंक में जमा करवाया	7,000
22 चेक द्वारा ढुलाई का भुगतान किया	500
25 व्यक्तिगत प्रयोग के लिए रोकड़ का आहरण किया	2,000
30 चेक द्वारा किराये को भुगतान किया	1,000

11. निम्न सूचना के आधार पर जुलाई 2023 के लिए द्विस्तंभीय रोकड़ बही बनाइए-

जुलाई 2023	**₹**
01 हस्तस्थ रोकड़	7,500
01 बैंक अधिविकर्ष	3,500
02 मजदूरी का भुगतान किया	200
05 नकद विक्रय	7,000
10 नकद बैंक में जमा करवाई	4,000
15 माल खरीदा व चैक द्वारा भुगतान किया	2,000
20 किराए का भुगतान किया	500
25 बैंक से व्यक्तिगत प्रयोग के लिए रोकड़ निकाली	400
30 वेतन का भुगतान किया	1,000

12. निम्न सौदों को मोहन की क्रय बही में दर्ज कीजिए -
(I) जुलाई 1 रमन एण्ड कम्पनी से 10 शर्ट पीस ₹75 प्रति पीस की दर से खरीदे।
(II) जुलाई 13 संजय एण्ड ब्रदर्स से 25 साड़ियाँ ₹250 प्रति साड़ी की दर से खरीदी।
(III) जुलाई 27 कमल एण्ड संस से 30 चादरें ₹90 प्रति चादर की दर से क्रय की।
(IV) जुलाई 30 संजना एण्ड ब्रदर्स से 15 पेंट ₹350 प्रति पेंट की दर से खरीदी।
(व्यापारिक बटटा उपर्युक्त सभी व्यवहारों पर 10 प्रतिशत है)

13. एक व्यापारी की विक्रय बही में निम्नलिखित लेन-देन का लेखा कीजिये –
(I) मई 10 कृष्ण एण्ड क.को 10 फाउण्टेन पेन ₹40 प्रति पेन की दर से बचे।
(II) मई 11 रमेशकुमार को ₹300 का पुराना फर्नीचर बेचा।
(III) मई 12 प्रतापचन्द्र को वाशिंग सोप की 10 पेटियॉ ₹50 प्रति पेटी की भाव से बेची।
(IV) मई 13 सतीशचन्द्र को 25 बोतल केश तेल ₹2 प्रति बोतल की दर से नकद बेची।
(V) मई 14 कन्हैयालाल का 15 टी सेट ₹15प्रति टी सेट की दर से बेचे।

---*---**